TITLE CODE : UPMUL00792

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, मंगलवार 21 फरवरी 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :2, अंक :1 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रूपये

संक्षेप

गायक सोनू निगम पर हमला

मुंबई एजेंसी। सोनू निगम से मारपीट का मामला सामने आ रहा है. एक लाइव शो के दौरान सिंगर के साथ कुछ लोगों ने धक्का–मुक्की की. जिसमें उनके उस्ताद के बेटे रब्बानी खान को चोट आई है। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां से उन्हें बाद में घर भेज दिया गया है। वहीं मामले को लेकर सोनू निगम ने चेंबूर थाने पहुंचकर शिकायत भी दर्ज कराई है। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और धक्का–मुक्की करने वालों की पहचान कराई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक एमएलए प्रकाश फटेरपेकर द्वारा आयोजित चेंबूर फेस्टिवल में फिनाले के दौरान सोनू निगर वहां परफॉर्म कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान विधायक के बेटे ने पहले तो सोनू के मैनेजर सायरा संग बदतमीजी की और फिर बाद में जब सोनू निगम स्टेज से नीचे आ रहे थे तो उन्होंने पहले सिंगर के बॉडीगार्ड को धक्का दिया और फिर सोनू को भी धक्का मारा। हालांकि इस धक्का–मुक्की में उनके उस्ताद के बेटे रब्बानी खान स्टेज से नीचे गिर गए। जिससे उन्हें कई चोटें आई हैं।

घटना के बाद सोनू निगम चेंबूर पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई और पुलिस से केस दर्ज करने को कहा। अभी तक पुलिस की ओर से इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है।

रेल यात्रियों को झटका रेल में खाने-पीने का सामान हुआ महंगा

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय रेलवे ने एक बार फिर ट्रेन में सफर करने वाले लोगों को बड़ा झटका दिया है। आईआरसीटीसी ने रेल में मिलने वाले खाने–पीने के सामान के रेट बढ़ाने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि पहले से महंगाई की मार झेल रहे लोगों के लिए रेल का सफर भी अब पहले से महंगा होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, आईआरसीटीसी ने रेल में मिलने वाले खाने के सामान के दाम 2 रुपये से 25 रुपये तक बढ़ा दिए हैं। बता दें कि सामान के दामों में यह इजाफा फिलहाल पूर्व मध्य रेलवे से जाने वाली ट्रेनों के लिए ही किया गया है।

उत्तर प्रदेश में अब 'एक परिवार एक पहचान'

प्रदेश सरकार सभी परिवारों को जारी करेगी एक खास आईडी

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 'एक परिवार एक पहचान' योजना के तहत अब प्रदेश के हर परिवार को उसके पास अब अपनी खास आईडी देने की योजना शुरू की है। योगी सरकार ने परिवार आईडी के लिए ऑनलाइन पोर्टल जारी कर दिया गया है। यह परिवार आईडी 12 अंकों की होगी। राशन कार्डधारकों को परिवार आईडी बनवाने की जरूरत नहीं होगी, उनका राशन कार्ड नंबर ही परिवार आईडी होगी। प्रदेश सरकार 'एक परिवार, एक पहचान' योजना के तहत हर परिवार को एक विशिष्ट आईडी जारी करेगी। इसके तहत प्रदेश की परिवार इकाइयों का एक लाइव डेटाबेस तैयार किया जाएगा। यह डेटाबेस लाभार्थीपरक योजनाओं के बेहतर प्रबंधन, समय से लक्ष्य प्राप्त किए जाने और उनके पारदर्शी संचालन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

परिवार आईडी से मिले डेटाबेस के आधार पर रोजगार से वंचित परिवारों का चिह्नांकन किया जाएगा और उन्हें रोजगार के अवसर प्राथमिकता के तौर पर उपलब्ध करवाए जाएंगे। अगर परिवार के किसी एक सदस्य का निवास या जाति प्रमाण पत्र बना है तो परिवार आईडी के इस्तेमाल से दूसरे सदस्य के आवेदन पर उसे प्रमाण पत्र जारी करने में आसानी होगी। यह काम जल्दी हो जाएगा। यही नहीं, परिवार आईडी में अगर किसी एक सदस्य का जाति प्रमाण पत्र जारी किया गया है तो उस परिवार में बच्चे के पैदा होते ही जन्म प्रमाण पत्र के साथ जाति प्रमाण पत्र भी जारी हो सकेगा।

सरकारी योजनाओं में आवेदन के लिए आईडी ही होगी पर्याप्त

मुख्य सचिव द्वारा जारी आदेश के मुताबिक मौजूदा समय में प्रदेश में रह रहे 3.59 करोड़ परिवारों के 14.92 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ मिल रहा है। इन परिवारों की राशनकार्ड संख्या ही फैमिली आईडी होगी। जो लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के दायरे में नहीं हैं और उनका राशन कार्ड नहीं है, उन्हें ही फैमिली आईडी पोर्टल के माध्यम से फैमिली आईडी लेनी होगी। भविष्य में लोगों को इस आईडी से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। जो परिवार सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले रहे हैं, वे भी फैमिली आईडी प्राप्त कर सकते हैं।

परिवार का कोई भी व्यस्क सदस्य अपने और परिवार के बाकी सदस्यों के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। व्यक्ति खुद भी आवेदन कर सकता है। इसके अलावा जनसुविधा केंद्रों व ग्राम सचिवालयों में भी आवेदन करवाए जा सकते हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राशन कार्ड धारकों को परिवार आईडी बनवाने की जरूरत नहीं होगी। राशन कार्ड आईडी ही परिवार आईडी होगी।

छात्रवृत्ति में 75 करोड़ रुपये के घोटाले का खुलासा, 22 ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी

लोक पहल

लखनऊ। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में उत्तर प्रदेश के छह जिलों में 22 स्थानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई शैक्षणिक संस्थानों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी है। इन शैक्षणिक संस्थानों पर अल्पसंख्यक, दलित और आदिवासी समुदायों के छात्रों के लिए मैट्रिक के बाद की सरकारी छात्रवृत्ति में घोटाला के आरोप है। एजेंसी ने कहा कि जांच के बाद सामने आया है कि इन संस्थानों द्वारा 75 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति को हड़प लिया गया है।

ईडी के मुताबिक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों की शिक्षा की सुविधा के लिए केंद्र और राज्य सरकारें अलग–अलग स्कॉलरशिप जारी करती हैं। इसके अलावा कुछ स्कॉलरशिपअल्पसंख्यक छात्रों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों के लिए होती हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले को लेकर एक बयान जारी किया हैं। ईडी के अनुसार ज्यादा से ज्यादा छात्रवृत्ति का फायदा उठाने इन कॉलेजों और संस्थानों ने 7 से 12 वर्ष की उम्र के बच्चों और 45 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों के बैंक खातों का उपयोग किया है। अब तक की गई जांच से पता चला है कि इन संस्थानों ने अलग–अलग व्यक्तियों के दस्तावेजों का उपयोग करके लगभग 3,000 ऐसे फर्जी खाते खोले हैं। ईडी ने एक बयान में कहा कि ज्यादातर खाते आम ग्रामीणों के नाम पर हैं, जिन्हें इन बैंक खातों के बारे में पता भी नहीं है और उन्हें कभी भी कोई छात्रवृत्ति नहीं मिली है।

ईडी ने जानकारी दी है कि घोटाला फिनो पेमेंट बैंक के प्लेटफॉर्म पर खाता खोलने के लिए अपनाई गई आसान प्रक्रिया का दुरुपयोग करके किया गया था। अपराधियों ने फिनो की लखनऊ और मुंबई शाखाओं में सभी बैंक खाते खोले थे। यह सभी फर्जी खाते थे। नियमों के मुताबिक स्कॉलरशिप का पूरा पैसा छात्रों के खातों में ही आना चाहिए। लेकिन इन संस्थानों ने फर्जी तरीके अपनाकर पूरा पैसा हड़प लिया। जांच के दौरान ईडी ने कई फर्जी सिम सीज कर ली हैं।

भाजपा मिशन 2024: उत्तर प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर विजय भाजपा का लक्ष्य

हारी हुई 14 लोकसभा सीटों पर भाजपा के दिग्गज करेंगे दौरा, टटोलेंगे जनता का मूंड

लोक पहल

लखनऊ। देश और प्रदेश की सत्ता पर काविज भारतीय जनता पार्टी मिशन 2024 के अभियान में जुट गई है। भाजपा इस बार कोई भी मौका गवाने के मूंड में दिखाई नहीं दे रही है। पार्टी का मानना है कि केन्द्र की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है इसलिए प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर विजयी हासिल करना उसका लक्ष्य है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है और इस कड़ी में पहली प्राथमिकता उन 14 सीटों को जीतने की है जिसे भाजपा 2019 में जीत नहीं सकी थी। इन 14 क्षेत्रों में पार्टी के दिग्गज नेताओं के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे।

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में 14 सीटें ऐसी हैं जिसे 2019 में भाजपा जीत नहीं सकी थी, लेकिन उपचुनावों में समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रभाव वाली आजमगढ़ और रामपुर जैसी सीटों को जीतने के बाद पार्टी का उत्साह बढ़ा है। राज्य की 80 सीटों में बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल, रायबरेली, घोसी, लालगंज, जौनपुर, आंबेडकर नगर, गाजीपुर, श्रावस्ती, मैनपुरी, सहारनपुर और नगीना सीटों पर अभी गैर भाजपा दलों का कब्जा है। इनमें 10 सीटों पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा), तीन सीटों पर सपा और रायबरेली सीट पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का प्रतिनिधित्व है।

हारी हुई सीटों पर पार्टी ने अपनी ताकत, कमजोरी, चुनौतियों और खतरों का आकलन करने के लिए चार केंद्रीय मंत्रियों नरेंद्र सिंह तोमर, अन्नपूर्णा देवी, अश्विनी वैष्णव और जितेंद्र सिंह को जिम्मेदारी सौंपी है और ये मंत्री पहले चरण में इन क्षेत्रों का आकलन कर पार्टी को रिपोर्ट दे चुके हैं। इन 14 सीटों पर संगठन और सरकार के बीच समन्वय बनाने के लिए संगठन के तजुर्बेकार भाजपा के एक प्रदेश महामंत्री को अधिकृत किया गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कार्यकाल बढ़ाए जाने के बाद 20 जनवरी को अपनी पहली उत्तर प्रदेश यात्रा गाजीपुर संसदीय क्षेत्र में की, जहां उन्होंने पूर्व सैनिकों से लेकर बूथ कमेटी और समाज के प्रमुख वर्ग के लोगों से सीधा संवाद किया। इस सीट पर बाहुबली मुख्तार अंसारी के बड़े भाई अफजाल अंसारी ने मनोज सिन्हा को पराजित किया था। पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नड्डा का दौरा होगा और गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य वरिष्ठ नेता भी हारी हुई सीटों पर दौरा करेंगे।

शाहजहांपुर में लक्ष्य से नव्वे गुना अधिक निवेश, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर : नरेन्द्र कश्यप

निवेशकों को पूरा सहयोग प्रदान करेगी आईआईए : अशोक अग्रवाल

लोक पहल

शाहजहांपुर। शहर के गन्ना शोध परिषद के सभागार में जनपद के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने उत्तर प्रदेश के ग्लोबल इन्वेस्टर्स सममिट में जनपद के उद्यमियों द्वारा किए गए वृहद् निवेश के परिप्रेक्ष्य में आयोजित सभा में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की सहभागिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनपद में नियोजित सात हजार करोड़ के निवेश के लक्ष्य के विरुद्ध नब्बे गुणा यानी छियासठ हजार करोड़ का निवेश प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है और शाहजहांपुर जनपद प्रदेश में निवेश के मामले में नवें स्थान पर पहुंच गया है। इसके लिए जिला प्रशासन और जिले के उद्यमियों द्वारा किये गये प्रयास प्रशंसनीय है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि आई आईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने भी सरकार की इस महत्वकांक्षी निवेश योजना को पूर्णतः सफल बताया और मुख्यमंत्री द्वारा आईआईए को दिये गए निवेश के लक्ष्य से दोगुना निवेश को सुगम बनाने पर खुशी व्यक्त की। अशोक अग्रवाल ने जिले में कानून एवं व्यवस्था और ढाँचागत सुविधाओं में हुए सुधार को भी सराहा। उन्होंने बताया कि जनपद में हुए सबसे वृहद्, उनसठ हजार करोड़ को प्रस्तावित करने वाली संस्था "ऑस्टिन कन्सल्टिंग ग्रुप" से भी उनका कार्यालय संपर्क बनाये हुए है और आईआईए के माध्यम से टेक्सस, अमरीका बेस्ड इस संस्था को शाहजहापुर में पूर्ण समर्थन और सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया।

मुख्य विकास अधिकारी एसबी सिंह द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन आईआईए के शाहजहाँपुर चौप्टर के वाइस चेयरमैन रोहित गोयल ने किया। कार्यक्रम में सांसद अरूण सागर, राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार, जलालाबाद विधायक हरिप्रकाश वर्मा, भाजपा के जिला अध्यक्ष केसी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता, डीबीसी चेयरमैन डीपीएस राठौर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एस आनंद सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पुलवामा के शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

लोक पहल

शाहजहांपुर। लद्दाख एवम् जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र की ओर से पुलवामा हमले में वीरगति प्राप्त सैनिकों के शहादत को याद करते हुए एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि एसएस लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ जयशंकर ओझा ने कहा कि 14 फरवरी 2019 को भारतीय इतिहास में काले दिन के रूप में मनाया जाता है। आज उन 40 वीर सपूतों को पूरा देश याद कर रहा है, जिनका पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपट कर आया था। लद्दाख एवम् जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र शाहजीपुर के संयोजक डॉ आलोक कुमार सिंह ने बताया कि इस अध्ययन केन्द्र द्वारा कश्मीरी हिंदू निष्कासन दिवस संकल्प दिवस, विलय दिवस महाराजा हरि सिंह का जन्म दिवस और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस जैसे महत्वपूर्ण दिवसों को निमित्त बना कर देश भर में अपनी विभिन्न इकाइयों के माध्यम से परिचर्चा, संविमर्श एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन करता हैद्य डॉ संदीप अवस्थी ने कहा कि जम्मू कश्मीर की यथास्थिति को समझाने के लिए अध्ययन केन्द्र विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं एवं सांसदों के साथ विचार–विमर्श के साथ ही देश के पत्रकारों, राजनीतिक नेताओं, बौद्धिक वर्गों, छात्रों और अध्यापकों की जम्मू–कश्मीर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की यात्राएं आयोजित करा कर जम्मू–कश्मीर के विभिन्न आयामों की समझ को विकसित कराने में भी लगा हुआ हैद्यअन्त में उपस्थित सदस्यों ने पुलवामा शहीदों के लिए 2 मिनट का मौन रखकर उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर डॉ संदीप दीक्षित, चन्दन गोस्वामी, रजत सिंह, मंजीत सिंह, डॉ पवन गुप्ता, मृदुल शुक्ला,राजेश सक्सेना, सुमित त्रिपाठी,विजय सिंह, डॉ अनिल कुमार व डॉ अजीत कुमार उपस्थित रहे।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार ने किया शुभारंभ

लोक पहल

शाहजहांपुर। बंडा स्थित गुरु तेग बहादुर एजुकेशनल एकेडमी पर सनशाइन हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर की ओर से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार ने किया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों को मुफ्त उपचार दिया गया। इसके अलावा मरीजों को मुफ्त जांच और दवाएं भी वितरित की गई।

इस दौरान सांसद मिथिलेश कुमार ने कहा कि भाजपा सरकार हमेशा से समाज की चिंता करती है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने गरीबों के अच्छे इलाज की चिंता की और देश में कई नए एम्स तथा मेडिकल कॉलेज खोलने का काम किया है।

इस दौरान डॉ कौशल वर्मा, मंडल अध्यक्ष शैलेश वैश्य, ब्लाक प्रमुख बंडा ओमप्रकाश, जसवीर सिंह, हरिवंश राना, राजीव गंगवार, कृष्ण कुमार वर्मा, परमजीत सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

प्रत्येक मानव की मार्गदर्शक और शिक्षक है नारी : साध्वी रति दासी

■ मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। नारी कल भी शक्ति स्वरूपा थी, आज भी है। समाज को समृद्धिशाली बनाने में नारी का अहम योगदान रहा है नारी प्रत्येक मानव की मार्गदर्शक और शिक्षक है बशर्ते, वह अपने पातिव्रत, शक्ति व सच को पहचाने।उक्त विचार बाबा विश्वनाथ यात्री निवास में आयोजित मातृ शक्ति सम्मेलन में श्राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति की भूमिकाश विषय पर बोलते हुए मुख्य अतिथि श्री वृंदावन धाम की साध्वी रति दासी ने व्यक्त किये। उनका कहना था नारी के बगैर पुरुष की कल्पना भी नहीं कि जा सकती। ये वात्सल्य ही जिसके लिए भगवान को जन्म लेना पड़ता है। आत्मा भी स्त्रीलिंग है यानि शरीर के मूल तत्व में भी नारी है। उन्होंने कहा कि शक्ति को भक्ति से जोड़कर ही सदगति पाई जा सकती है। उन्होंने जब होली को आसन्न देख रसिया सुनाया तो मातृ शक्ति भक्तिवश नृत्य करने लगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक की पत्नी देवी आनंद, विशिष्ट अतिथि मीरा सेठ, कार्यक्रम अध्यक्ष सपना मैसी आदि ने भी संबोधित किया,सुमन पाठक ने काव्य पाठ किया। संचालन डा. किरण मलिक ने किया। अंत में सभी का आभार विभाग समन्वय प्रमुख डॉ संगीता मोहन ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर सांसद मिथलेश कुमार, लता सेठ, रवि मिश्रा, डॉ रवि मोहन, अनुराधा शर्मा,सुचित सेठ, मधु कपूर, सोनल शर्मा, मोनिका मेहरोत्रा, पूनम मेहरोत्रा, ज्योति गुप्ता, नीतू गुप्ता, मीतू अग्रवाल, एकता अग्रवाल, डा. शुभ्रा दीक्षित,अर्चना गुप्ता, सुनीता गर्ग,अनुराधा, उज्ज्वल मिश्रा, अमृत दीक्षित,रजनी, रचना समेत काफी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

एसएस कालेज में जी 20 पर हुआ व्यख्यान

लोक पहल

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में जी –20 पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी शुकदेवानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि से हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो अतुल जोशी, अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल ने कहा कि जी–20 की अध्यक्षता का गौरव प्राप्त करके भारत ने विश्व स्तर पर अपनी गुरुता को सिद्ध किया है। भारत अपनी वसुधैव कुटुंबकम् की धारणा के अनुसार न केवल 20 देशों के लिए अपितु सम्पूर्ण विश्व की अर्थव्यस्था की मजबूती के लिए कार्य कर रहा है। इस सन्दर्भ में डिजिटल अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विकास और स्टार्टअप आदि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि डा मनोज पांडे, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय , नैनीताल ने कहा व्यापार शुल्क, संचार नेटवर्क और डेटा भंडारण आदि को लेकर किए जाने वाले आर्थिक समझौते देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक पटल पर आगे ले जाएंगे। डा सन्तोष प्रताप सिंह के संचालन में हुए कार्यक्रम के अंत में वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ अनुराग अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। व्याख्यान में छात्र छात्राओं के अतिरिक्त डॉ देवेंद्र सिंह, डा कमलेश गौतम, डॉ गौरव सक्सेना, डॉ अजय कुमार वर्मा, डॉ सचिन खन्ना डा रूपक श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय का नगर मजिस्ट्रेट ने किया आकस्मिक निरीक्षण

लोक पहल

शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह के निर्देश पर नगर मजिस्ट्रेट आशीष कुमार सिंह ने जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था ठीक नहीं पाये जाने पर कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जनता को बेहतर स्वास्थ सेवाएं एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है और इसमें लापरवाही किसी भी दशा में न की जाये। उन्होंने कहा की सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और व्यवस्थाएं ठीक रखी जाये। शौचालय की भी सफाई व्यवस्था ठीक रखने हेतु भी नगर मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिए। उन्होंने प्रकाश की व्यवस्था ठीक किए जाने हेतु भी कहा। नगर मजिस्ट्रेट ने आगामी गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए पंखे इत्यादि व्यवस्थित कराए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने मरीजों के समुचित उपचार तथा दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देशित किया।

दुश्मन

डा. सुशीला ओझा

होली में बजरंगी कलकत्ता से कमाकर आया... गांव के बड़े जमींदार ने पूछा –'बजरंगिया क्या शहर कमाने जाते हो.?? कितना पैसा मिलता है..?? गांव में काम की कमी है.. हमारे खेत में रोपनी, कटनी, दवनी करोगे तो तुम्हारा पेट नहीं भर जाएगा..?? बजरंगी कैसे कहे मालिक आपका शोषण, उत्पीड़न ही है जो हमें बाहर भेजता है.. आप तो मजदूरी ही नहीं देते हैं.. श्कभी कहते हैं शाम को पैसा नहीं दिया जाता.. कभी कहते हैं अमुक जगह पर आवो.. जाते हैं तो मालिक का कहीं पता नहीं रहता.. दौड़ते–दौड़ते पैर में छाले पड़ जाते हैं.. मजदूरी करके भी पैसा नहीं मिलता.. कई दिन चूल्हा नहीं जलता. .. एक मुठी चना–चबेना खाकर पानी पीकर सो जाते हैं... बच्चे बिलखते हैं.. पेट की अंतड़ियाँ ऐंठ जाती है ..मजदूरी मांगने पर आप देते भी हैं तो ऐंठकर ,जैसे कोई एहसान कर रहे हों..बाहर कमाता हूं.. होटल में खाने को मिल जाता है.. पैसे बच जाते हैं... एक साथ हमलोग एक रूम में सो जाते हैं.. सार्वजनिक टायलेट है.. पैसा नहीं लगता है..सौ रूपये कम नहीं हैं? जमींदार ने पूछा –'फिर इन सौ रूपयों को कैसे खर्च करते हो..?? बजरंगी क्या नौजवान, ईमानदार था..! जमींदार उसको अपना मैनेजर बनाना चाहते था... मेरे प्रश्न का जबाब दो।

बजरंगी ने कहा 'मालिक दो दिन का मोहलत दीजिए' बजरंगी घर गया अपनी पत्नी सुरतिया से जमींदार वाली बात बतायी... सौ रूपए का हिसाब लगाया पत्नी को अपनी गुप्त बातों से अवगत कराया 'सौ रूपये में पच्चीस रूपये कर्जा देता हूँ... पच्चीस रूपए कर्जा भरता हूँ.. पच्चीस रूपये गढ़हा में फेकता हूँ.. और पच्चीस रूपये दुश्मन को देता हूँ'?? वह कैसे..?? पच्चीस रूपये मां बाप का कर्ज भरता हूँ.. पच्चीस रूपये बच्चों को कर्ज देता हूँ... पच्चीस रूपये बेटी को देता हूँ... और पच्चीस रूपये दुश्मन को देता हूँ' बजरंगी ने पत्नी को बताया.. सुरतिया के पेट में ऐंठन होने लगा... कब भिनसार होगा...?? गांव की औरतें सड़क पर जाती हैं निपटने के लिए.. घर का चिठ्ठा खोलती हैं.. पच्चीस रूपये देता है.. दाल–भात –नून तेल लकड़ी सब उसी में. ..भुजा भुजाने जाती हैं.. घर का चिठ्ठा खोल देती हैं।

कुएं के पास जाती हैं.

रात क्या–क्या बात दुल्हा से हुआ है.. सब बता देती हैं... सुरतिया बजरंगी वाली बात सबको बता दी... बजरंगी ने कहा –इस बात को चार कानों में सीमित रखना छठा कान में बात नहीं पड़े .. जाति में हजाम और पक्षी में कौवा होशियार होता है.. कुएं के पास एक हजामिन आई थी उसने बात सुना और अपने पति को झट सुना दिया... हजाम चतुर था.. सुबह खाने –पीने की प्रतीक्षा नहीं किया.. जमींदार के पास प्रश्नों का उत्तर सहजता से दे दिया.. उसे सर्वसम्मति से मैनेजर नियुक्त कर लिया गया... बजरंगी आराम से खा –पीकर चला.. उसे रास्ते में पता चला बंगाली हजाम को मैनेजर पद के लिए चयनित किया गया है... उसने सारे प्रश्नों का उत्तर दे दिया है... बजरंगी का माथा ठनका.. कैसे बंगाली ने मेरे प्रश्नों का उत्तर दे दिया..??मैंने तो केवल सुरतिया से बताया था.... सुरतिया ने बताया पेट में मरोड़ हुआ था.. सड़की पर गए थे.. कुएं से पानी भरने गए थे... बजरंगी को भी प्रश्न का उत्तर मिल गया...??. पेट मरोड़ का ईलाज हो गया.. बजरगी ने बताया था–श्मेरी बातों को गुप्त रखना.. सुरतिया ने कुएं पर पानी भरते समय सारी बातों को उगल दिया.. पेट मरोड़ ठीक हो गया..!

बजरंगी ने संकल्प लिया.... पत्नी से गुप्त बात नहीं कहूंगा... आस्थिर बुद्धिवाली औरत बना बनाया घर उजाड़ देगी.. परिपक्व सोच वाली औरत घर संवारती है. .. अपरिपक्व सोच वाली सुरसतिया घर को बर्बाद करती है.. पैसा कमाता हूं.. घर में शांति नहीं है.. कभी उसकी अंगूठी टूटती है... कभी पायल टूटता है.. कोई गिफ्ट देता है तो बजरंगी के सामने नहीं लेती है.. बजरंगी काम पर चला जाता है तो ले लेती है.. दिन भर घर में किच–किच मचाए रहती है... दुअरा पर कचहरी लगी रहती है.. कोई काम सुव्यवस्थित नहीं.. सबसे बड़ी दुश्मन अपरिपक्व औरत है.. बजरंगी ने बैग उठाया गाड़ी सीटी बजाकर बुला रही थी... बाहर आराम से रहते हैं... पत्नी की कलह से दूर आनंद लोक में..!

लघु कथा

पैमाना

मीरा जैन, उज्जैन

'ओ हो आदित्य ! एक बात मेरी समझ में नहीं आ रही है तुम डॉक्टर होने के साथ ही हैंडसम, स्मार्ट और घर– घराने वाले संस्कारित लड़के हो , जीवनसाथी चुनने के लिए तुम्हारे पास लड़कियों की कतार हैं फिर भी तुम ऐसी लड़की से मिलने जा रहे हो जिसने तुम्हारी बात की अवहेलना कर अपनी मर्जी तुम पर थोपी है अभी से ये हाल है तो शादी के बाद क्या होगा ? मैं होता तो पलट कर भी नहीं देखता, क्यों अपना वैलेंटाइन डे खराब कर रहे हो मेरी सलाह मानो तो जिन दूसरी लड़कियों का बायोडाटा तुमने पसंद किया है उनसे मिल लो' आर्यन की सलाह सुन आदित्य के चेहरे पर चिंता की लकीरें पसरने के बजाय मुस्कुराहट फैल गई और उसने अपनी सफाई पेश की–आर्यन ! जीवनसाथी चयन करने का मेरा अपना एक पैमाना था जो वैलेंटाइन डे के दिन ही संभव था।

'ऐसा कौन सा पैमाना था तुम्हारा ?'

'आर्यन! मैंने एक जैसे प्रपोजल तीन–चार लड़कियों को दिए किंतु यह विभा ही एक ऐसी थी जिसने अस्वीकार करते हुए कहा–आदित्य ! माना कि आप मेरे भावी जीवनसाथी हो सकते हो किंतु अभी हो तो नहीं इसलिए मैं तुमसे निर्जन स्थान पर नहीं मिल सकती हूं, आप अगर अकेले मिलना ही चाहते हो तो किसी सार्वजनिक पार्क या रेस्त्रां में मिल सकते हैं और हां गुलाब लेकर कतई नहीं आना।

परवाज

प्रणति ठाकुर, कोलकाता

खोल अपने पंख कि परवाज है तू ।

खोल अपने पंख कि नभ मापना है,
धरा के विस्तार को भी आंकना है,
इस तिमिर में भोर कि आगाज है तू।
खोल अपने पंख कि परवाज है तू।

भूलकर बैठा है तू अपने हुनर को,
पर क्यूं तू भूला कठिन जीवन–समर को,
थक के अब मत बैठ कि जाँबाज है तू।
खोल अपने पंख कि परवाज है तू।

उठ धरा की धमनियों से ओस की बूंदें निचोड़ें,
अनगिनत तारे गगन में चल जरा इक हम भी तोड़ें,
गिर पड़े इन सरफिरों की जीत का अंदाज है तू।
खोल अपने पंख कि परवाज है तू।

चल तुम्हारे पाँव में आकाश भर दूं,
मन के अंध प्रकोष्ठ में मैं आज अमित प्रकाश भर दूं,
भेद दे हर लक्ष्य जो इक ऐसा तीरंदाज है तू।
खोल अपने पंख कि परवाज है तू।
खोल अपने पंख कि परवाज है तू।।

प्रेम दिवस : एक विमर्श

शायद..
उन ओस की बूंदों को
मैंने भी महसूसा होता
जो रात भर गिरते रहे
उन सुकोमल पुष्पों पर
झिर–झिर कर
शायद...
मेरी हथेलियां भी
भर–भर जातीं
मोतियों की सौगात से
शायद..
उस ताप और ऊष्मा को भी
जो दे जाते हैं गर्माहट
और कर जाते हैं
उन सुनहरी फसलों को
उन्मुक्तता से लबरेज
शायद...
चांदनी की लावण्यता से
परिपूर्ण वह कुमुदिनी
या रजनीगंधा उन्मत्त
अपनी मदहोशी में
शायद..
सूर्य को अपलक, निरंतर
निहारने वाली सूर्यमुखी
लालायित निष्प्राण
स्वयं उत्सर्ग होने को
शायद...
उस सुर लय ताल में
जो अटूट अविरल
बहती आ रही है
छन–छन कर सदियों से
शायद...
घटाओं की मद्धिम
रिमझिम झिमझिम झमझम
छुमछुम छमछम छंद
मेघराग के
शायद..
यह पर्याप्त हो
स्वीकारने के लिए
उस अनुबंध को
जिसे हम प्रेम कहते हैं

डा. शिप्रा मिश्रा
चम्पारण, बिहार

'बासन्ती गीत का पता'

भावों की फुनगी पर
गाते कोकिल मन से
मदमाते बेला की महकती लता।
पूछ रही बासन्ती
गीत का पता।
सूखा था सरसा है
चितवन का मधु पीकर
सरसों सा खिल गया हजारा।
आकाशी गंधें छू
टेसू के रंग दहके
मचल उठी रग रग रसधारा।
नवल आम्र पल्लव पर
महक महक मंजरियाँ।
बतलातीं अंतर रस की रसालता।
अमलतास कुंदन के
गजरों में झांक रहा
महुआ भी मधु आसव पीकर।
रजत जाल चांदनी
निहारता रहा चकोर
मोर मग्न एक नृत्य जीकर ।
विचलित मृग कस्तूरी कुण्डल
कब देख सका,
आशा ने मथ डाला
भ्रम का रस्ता।
अंतर अम्भोजों के
भाव भरे केसर तल
कल्पना हिमानी की निर्झरिणी बोलेगी।
सम्वेदन की समाधि
मन की मणिमाला भी
कोई आनन्द कोष गहरे में खोलेगी।
मधुपों अनुभावों ने
खीझ कर कहा उससे
मन दर्पण के सम्मुख
आत्म मुग्धता ।

कमल 'मानव'
शाहजहांपुर

गजल

रोज आते भी नहीं हो
तो क्या बात बने।
और बुलाते भी नहीं हो
तो क्या बात बने।
हम तो बातूनी हैं,
सब बात बता देते हैं,
आप बताते ही नहीं हो
तो क्या बात बने।
हमको रहती है तलाश
भी तुम्हारी ही,
आँख मिलाते ही नहीं हो
तो क्या बात बने।
दूरियां तुमने बनाई हैं
बढ़ाई तुमने,
फर्ज निभाते ही नहीं हो
तो क्या बात बने।
'विचित्र' भी चाहते हैं
रोशन हो सारी दुनिया,
दीप जलाते भी नहीं हो
तो क्या बात बने।

सुशील 'विचित्र'
शाहजहांपुर

''बोनसाई स्त्री!''

शुभ्रा मिश्रा, बिहार

तुम्हें हरा भी रहना है
फूल भी देना है और फल भी
पर तुम्हें बढ़ना नहीं है मेरे समक्ष
बोनसाई! या फिर स्त्री!
या सिर्फ स्त्री!
विस्तृत आकाश था मेरा
पंखो में थी उड़ते रहने की जिद्द,
अथाह थी धरती मेरी
कदम थक जायें पर ना थका
कभी उसका कलेजा !
मुझे उखाड़ने में बरसों लगा उन्हें
पर बना न सके वे मुझे बोनसाई!
अभी भी जड़ें मेरी जिंदा हैं
कलेजे में उसके मेरे पंखों में वह
चुपके से भर जाता है सातो रंग!
मैं खड़ी हूँ तुम्हारे समक्ष ,
दिन ब दिन ऊपर उठ भी रही हूँ
मेरी सशक्त जड़ें तोड़ चुकी हैं
तुम्हारे दंभ और अक्खड़पन के
विषाक्त गमले को
मैं फूल भी दूँगी मैं फल भी दूँगी
और बड़े होकर तुम्हें छाया भी दूँगी!
मेरे मन ने यह कभी सोचा भी नहीं
कि तुम्हें बोनसाई होते हुए देखूँ
पर आज.. जब मैं तुम्हें देखती हूँ
तुम स्वयं में एक बोनसाई ही नजर आते हो!
सोच से! संस्कार से! और व्यवहार से भी!

सम्पादकीय

लाचारगी से उपजी त्रासदी

हालांकि भारत में किशोर न्याय बालकों की देख रेख संरक्षण अधिनियम में बच्चों की सुरक्षा और संरक्षा का पूरा ख्याल रखा गया है और यह माना जाता है कि एक्ट के परिप्रेक्ष्य में ही बच्चों के सम्बन्ध में निर्णय लिये जाएंगे लेकिन कभी–कभी परिस्थितियां ऐसी उत्पन्न हो जाती है कि यह एक्ट भी बेवस और लाचार नजर आता है। अब यह कल्पना भी दुख से भर देती है कि किसी मां को मजबूरी के इस स्तर का सामना करना पड़ा, जिसमें उसके सामने कुछ पैसों के बदले अपनी ही एक साल की बच्ची को किसी को सौंपने की नौबत आ गई। निश्चित रूप से बेटी के बदले पैसे लेना गलत है, मगर सवाल है कि अगर नैतिकता को सामाजिक संदर्भों में परिभाषित किया गया है तो उस महिला की लाचारगी से उपजी त्रासदी को कम करने में क्या समाज की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए? क्या जेजे एक्ट में दिए गए कानूनों का पालन नहीं होना चाहिए जिसमें साफ लिखा है कि बच्चे को बेचने में बेचने वाले और खरीदार दोनो बराबर के दोषी है

आखिर अपने जीवन के झंझावात के बीच किसी मां के सामने वह कैसी मजबूरी पैदा हुई कि उसे इस स्थिति का सामना करना पड़ा? गौरतलब है कि महाराष्ट्र में एक साल की बच्ची को बेचे जाने के इस मामले में बंबई हाई कोर्ट ने एक भावुक टिप्पणी की कि इक्कीसवीं सदी में भी लड़कियों को वस्तु समझा जाता है और उन्हें वित्तीय लाभ के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन साथ ही अदालत की यह बात भी बेहद अहम है कि जीवन की कठिन सच्चाई यह है कि बच्ची की मां ने उसे जरूरत के कारण किसी को पैसे के बदले दिया था और ऐसे में उसकी स्थिति का भी सहज अनुमान लगाया जा सकता है।

हालांकि हाई कोर्ट ने परिस्थितियों के मद्देनजर पैसा देकर बच्ची को रखने की आरोपी महिला को जमानत दे दी, मगर यह भी कहा कि उसने ऐसा करके मानवता को शर्मसार करने का काम किया। गनीमत है कि देश के कानून के तहत बच्ची को खरीदना अपराध है और इसलिए आरोपी महिला के खिलाफ कार्रवाई हुई। इस समूचे मामले में कानूनी कसौटियों से इतर सामाजिक नैतिकता और मानवाधिकार के प्रश्न भी आमने–सामने खड़े होते हैं। सवाल है कि जिन लोगों ने बच्ची के एवज में महिला को पैसा दिया, उनके लिए नैतिकता की कौन–सी कसौटी तय की गई है? आरोपी दंपति भी क्या उसी समाज का हिस्सा नहीं हैं, जो नैतिकताओं और नियमों को परिभाषित करता है और इसी के तहत किसी बच्चे के बदले पैसा लेने को गलत मानता है? समाज के बाकी हिस्से से लेकर सरकारी तंत्र की क्या जिम्मेदारी क्या थी? आखिर परस्पर सामाजिक सहयोग के सिद्धांत की क्या अहमियत है और वह कब काम करता है?

सही है कि पैसे के बदले बच्ची किसी अन्य को सौंपने को हर लिहाज से अनुचित ही कहा जाएगा, मगर इसी समाज में ऐसे लोग भी हैं जो कई बार मजबूरी का फायदा उठा कर या बरगला कर किसी बच्ची या महिला को मानव तस्करी के व्यापक संजाल में झोंक देते हैं, जहां उसकी जिंदगी एक अंतहीन त्रासदी का शिकार हो जाती है। यह मामला औचित्य की कसौटी पर विचार के साथ–साथ बेहद कमजोर तबकों और लोगों के प्रति समाज और सरकार की भूमिका और जिम्मेदारी पर विचार की जरूरत को भी रेखांकित करता है।

हरित ऊर्जा एवं हरित भविष्य के लिए आशा की किरण है लीथियम

शिशिर शुक्ला

हाल ही में जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के द्वारा जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में सलाल हेमना ब्लॉक में 59 लाख टन लिथियम के अनुमानित भंडार का पता लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में कर्नाटक के मंड्या जिले के मार्लागाला–अल्लापटना क्षेत्र में 1600 टन लिथियम अयस्क की खोज की गई थी, यद्यपि मात्रा के हिसाब से इसका आकार अपेक्षाकृत बहुत कम था। भारत में प्रथम बार जम्मू कश्मीर में ही इतनी बड़ी मात्रा में लिथियम का भंडार प्राप्त हुआ है। आंकड़ों के अनुसार चिली व ऑस्ट्रेलिया के बाद यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा भंडार हो सकता है। लिथियम धातु जोकि अपने विशिष्ट गुणों, लक्षणों एवं उपयोगों के कारण सभी तत्वों में एक अद्वितीय स्थान रखती है, भविष्य के लिए आशा की एक दीप्तिमान किरण साबित हो सकती है। वर्तमान में वैश्विक स्थिति का यदि अवलोकन किया जाए तो 93 लाख टन क्षमता के साथ चिली लिथियम भंडार के मामले में पूरे संसार में अव्वल है। इसके बाद 63 लाख टन, 27 लाख टन एवं 20 लाख टन के भंडारों के साथ ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना एवं चीन क्रमशः दूसरे, तीसरे एवं चौथे स्थानों पर काबिज हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत अपनी कुल आवश्यकता का 96 प्रतिशत लिथियम आयात करता है। लिथियम के आयात पर 2020–21 में 8984 करोड़ एवं 2021–22 में 13838 करोड रुपए का व्यय हुआ है। एक टन लिथियम की कीमत 57.36 लाख रुपए है। इस दृष्टि से देखा जाए तो 3384 अरब रुपये की कीमत का लिथियम भंडार भारत के जम्मू कश्मीर में पाया गया है।

आखिरकार लिथियम क्यों इतना महत्वपूर्ण है, इसके लिए हमें लिथियम की विशेषताओं पर एक नजर अवश्य डालनी चाहिए। लिथियम अब तक ज्ञात धातुओं में सबसे हल्की धातु है। बहुत नरम एवं चांदी जैसे सफेद रंग वाली इस धातु को इसके महत्वपूर्ण उपयोगों के कारण ष्व्हाइट गोल्डष् की संज्ञा भी दी जाती है। लिथियम का सर्वाधिक उपयोग रिचार्जेबल बैटरी के निर्माण में किया जाता है। लिथियम आयन बैटरी, लेड–एसिड बैटरी अथवा निकल मेटल हाइड्राइड युक्त बैटरी की तुलना में सस्ती, दक्ष एवं लंबी आयु वाली होती है। इन बैटरियों का उपयोग मोबाइल फोन, लैपटॉप एवं इलेक्ट्रिक वाहनों में किया जाता है। इलेक्ट्रिक कारों की कुल कीमत का 45 प्रतिशत हिस्सेदारी बैटरी पैक की ही होती है। वर्तमान में तेजी से बढ़ रहे पर्यावरण प्रदूषण एवं ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं के कारण पेट्रोल व डीजल जैसे ईंधनों पर निर्भरता को कम करना नितांत आवश्यक हो गया है। यह निर्भरता केवल तभी कम हो सकती है जबकि संपूर्ण विश्व में हरित ऊर्जा का इस्तेमाल अधिक से अधिक हो। एक आंकड़े के अनुसार दुनिया के कुल लिथियम उत्पादन का 74 प्रतिशत बैटरी में ही इस्तेमाल किया जाता है। यदि हमें अपने भविष्य को प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन के गम्भीर संकट से बचाना है तो हर हालत में हमें ग्रीन एनर्जी अर्थात विद्युत चालित वाहनों पर निर्भरता बढ़ानी होगी। बैटरी के अतिरिक्त लिथियम का उपयोग विशिष्ट प्रकार के कांच के उत्पादन में, स्नेहकों एवं विभिन्न प्रकार के बहुलकों के उत्पादन में भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त हृदय में प्रयुक्त पेसमेकर हेतु नॉन–रिचार्जेबल बैटरी के निर्माण में, नाभिकीय रिएक्टर में शीतलक के रूप में, विभिन्न उपयोगी मिश्र धातुओं के निर्माण में, मैग्नीशियम के साथ मिश्रित करके कवच बनाने में, चीनी मिट्टी के बर्तन बनाने में, औद्योगिक स्तर पर सुखाने वाली प्रणाली में, कृत्रिम रबर के निर्माण में तथा मूड स्विंग एवं बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानसिक बीमारियों के इलाज में भी लिथियम का महत्वपूर्ण योगदान है।

बेशक जम्मू–कश्मीर में लिथियम का भंडार मिलने से उभरती हुई प्रौद्योगिकी के विकास हेतु उम्मीद की एक नवीन किरण जगी है। इकोफ्रेंडली इंडिया के स्वप्न को साकार करने के प्रयत्नों एवं देश की अर्थव्यवस्था के विकास को इससे एक नवीन गति प्राप्त होगी। अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ–साथ लिथियम भंडार वाले क्षेत्रों में प्रत्येक स्तर के कारीगरों एवं श्रमिकों को रोजगार के नवीन अवसर भी प्राप्त होंगे। किंतु केवल भंडार का अनुमान लग जाना, ठीक उसी तरह है जैसे मंजिल तक जाने वाले मार्ग का पता लगना। मंजिल तक पहुंचने में अभी अनेक चुनौतियों का सामना करके उन पर विजय पाना शेष है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 6.3 मिलियन टन लिथियम भंडार वाले ऑस्ट्रेलिया में लिथियम का उत्पादन केवल 0.6 मिलियन टन होता है। इसी प्रकार 9.3 मिलियन टन लिथियम के भंडार से युक्त चिली में इसका उत्पादन महज 0.39 मिलियन टन होता है। इसका कारण यह है कि लिथियम का खनन बहुत ही कठिन व दुष्कर है। इसमें अत्यधिक लागत एवं नवीनतम तकनीकी के साथ साथ अनेक व्यवस्थाओं की आवश्यकता पड़ती है। साथ ही साथ इस प्रक्रिया के अनेक पार्श्व प्रभाव हमारे विभिन्न महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों, जैसे–जल पर पड़ते हैं। इसके अतिरिक्त लिथियम आयन बैटरी के द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव एवं खराब बैटरी की रिसाइकिलिंग इत्यादि के बारे में समुचित रणनीति बनाने की आवश्यकता है। सरकार का यह लक्ष्य है कि 2030 तक भारत में 30 प्रतिशत निजी वाहन, 70 प्रतिशत कामर्शियल वाहन एवं 80 प्रतिशत दोपहिया वाहन इलेक्ट्रिक हों। इतना अवश्य है कि यदि एक कुशल रणनीति के तहत काम किया जाए तो सभी चुनौतियों का निस्तारण करते हुए 2070 तक एनवायरमेंट फ्रेंडली उत्सर्जन अथवा नेटजीरो के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। निस्संदेह लिथियम के भंडार के मिलने से दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम होगी एवं वैश्विक मानचित्र पर भारत अपनी 'इकोफ्रेंडली' छवि को निर्मित करने में सफल हो सकेगा।

स्वयं का संसदीय संकल्प पूर्ण करे भारतीय सरकार

अमित त्यागी

"जब तक 370, 35ए नहीं हटी थी तब तक 22 फरवरी को पारित प्रस्ताव भी सिर्फ एक प्रस्ताव दिखाई देता था। इस पर अमल होना एक दुस्वप्न नजर आता था। किन्तु जब से 370 का खात्मा हुआ है तब से नरसिंह राव द्वारा पारित यह प्रस्ताव भी अपनी पूर्णता की आस दिखाने लगा है।

भारत की जम्मू, कश्मीर और लद्दाख नीति के संदर्भ में भारतीय संसद द्वारा 22 फरवरी 1994 को पारित प्रस्ताव बेहद महत्वपूर्ण एवं आवश्यक दस्तावेज है। उस समय की कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री नरसिंह राव के नेतृत्व में भारतीय संसद ने ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित कर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर अपना हक जताते हुए कहा था कि यह भारत का अटूट अंग है। पाकिस्तान को वह हिस्सा छोड़ना होगा, जिस पर उसने कब्जा जमा रखा है। भारतीय संसद द्वारा पारित इस प्रस्ताव का मूल था कि "यह सदन पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में चल रहे आतंकियों के शिविरों पर गंभीर चिंता जताता है। सदन का मानना है कि पाकिस्तान की तरफ से आतंकियों को हथियारों और धन की आपूर्ति के साथ–साथ आतंकियों को भारत में घुसपैठ करने में मदद दी जा रही है। सदन भारत की जनता की ओर से घोषणा करता है कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा।

भारत अपने इस भाग के विलय का हरसंभव प्रयास करेगा। भारत में इस बात की पर्याप्त क्षमता और संकल्प है कि वह उन नापाक इरादों का मुंहतोड़ जवाब दे, जो देश की एकता, प्रभुसत्ता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ हो और मांग करता है कि पाकिस्तान जम्मू–कश्मीर के उन इलाकों को खाली करे, जिसे उसने कब्जाया हुआ है। भारत के आंतरिक मामलों में किसी भी हस्तक्षेप का कठोर जवाब दिया जाएगा"। जब तक 370, 35ए नहीं हटी थी तब तक 22 फरवरी को पारित प्रस्ताव भी सिर्फ एक प्रस्ताव दिखाई देता था। इस पर अमल होना एक दुस्वप्न नजर आता था। किन्तु जब से 370 का खात्मा हुआ है तब से नरसिंह राव द्वारा पारित यह प्रस्ताव भी अपनी पूर्णता की आस दिखाने लगा है। इस प्रस्ताव के विरोध में कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 1972 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के वजीरे आजम जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच शिमला समझौते के बाद संसद में पारित प्रस्ताव का कोई मतलब नहीं है।

इस समझौते के अंतर्गत नियंत्रण रेखा को दोनों देशों के बीच सरहद के रूप में स्वीकार किया गया था। विशेषज्ञों का यह तर्क इतिहास के पन्ने उलटने के बाद कहीं नहीं ठहरता है। क्योंकि, जिसे हम पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान आजाद कश्मीर कहता है, वह जम्मू का हिस्सा था न कि कश्मीर का। इसलिए उसे कश्मीर कहना ही गलत है। वहां की भाषा कश्मीरी न होकर डोगरी और मीरपुरी का मिश्रण है। विभाजन के बाद कश्मीर के महाराजा हरी सिंह भारत में अपने राज्य के विलय के प्रस्ताव को मान गए थे। विलय के उपरांत भारत को तत्कालीन कश्मीर राज्य के वर्तमान भाग पर अधिकार मिला। महाराजा हरी सिंह से हुई संधि के परिणामस्वरूप पूरे कश्मीर पर भारत का अधिकार है। इस कारण 22 फरवरी को संसद द्वारा पारित प्रस्ताव संवैधानिक रूप से भी सही है और अन्तराष्ट्रिय कानूनी मानकों के हिसाब से भी।

अखंड भारत का सपना पूरा करने के क्रम में कश्मीर भूभाग में अनु0–370 एवं 35–ए का समाधान आवश्यक था। ये दोनों प्रावधान कश्मीर को जो अलग

राज्य का दर्जा प्रदान करते थे और उसके द्वारा वहाँ की स्थानीय सरकारें अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिये प्रदेश से धोखा करती रही थीं। कश्मीरी लोगों के पिछड़ेपन एवं कश्मीर में प्रशासनिक भ्रष्टाचार के लिये भी यही धाराएँ काफी हद तक जिम्मेदार रहीं थीं। इसके कारण देश की बड़ी जांच संस्थाएं जम्मू–कश्मीर में भ्रष्टाचार की जांच को स्वतंत्र नहीं थीं। एक ओर जहां देश के अन्य राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल पांच साल होता है वहीं जम्मू कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल छह साल होता था। अब जम्मू कश्मीर से जुड़े कुछ एतेहासिक तथ्यों को समझते हैं। 26 अक्टूबर 1947 में कश्मीर राज्य के भारत में वैध विलय के बाद भी कश्मीर के मुस्लिम नेता इस बात पर पसोपेश में थे कि वह भारत के साथ रहें या पाकिस्तान के साथ जाएं। ऐसे वक्त में जवाहर लाल नेहरू ने शेख अब्दुल्ला को दिल्ली बुलाया। बातचीत के बाद सन 1952 में दिल्ली में एक समझौता होता है। इस समझौते के अनुसार जम्मू कश्मीर की रियासत और भारत की केंद्र सरकार के बीच के रिश्ते तय किये जाते हैं। इस समझौते के द्वारा 35–ए उनको मिल गया। 1950 में लागू हुये भारतीय संविधान के अनु0–370 के तहत कश्मीर को विशेषाधिकार पहले ही दिये जा चुके थे। हालांकि, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर 370 के पक्षधर नहीं थे।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार, लद्दाख एवं जम्मू क मीर अध्ययन केन्द्र के सदस्य हैं)

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की थीम पर निकाली गई रैली

एनएसएस इकाई ने दहेज पर आधारित लघु नाटिका का किया मंचन

लोक पहल

शाहजहांपुर। एसएस कालेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ योगासन के पश्चात प्रार्थना और लक्ष्य गीत के साथ किया गया। शिविर के दूसरे दिन कार्य सत्र में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' थीम के साथ ग्राम नवादा इंदेपुर में रैली के माध्यम से बैनर और पोस्टर के साथ स्वयंसेवियो ने ग्रामीणों को विभिन्न टोलियों के साथ जागरूक करने का प्रयास किया। साथ ही सारस्वत पाण्डेय के निर्देशन में एक लघु नाटिका के द्वारा दहेज अभिशाप विषय पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि के रुप में प्रियंका चौधरी ने कहा किया आज शिक्षा के विस्तार के फलस्वरुप लोगो की मानसिक सोच में काफी परिवर्तन आया है। हम आज बेटे एवं बेटियों की परवरिश तथा शैक्षणिक प्रक्रिया को एक समान रखने का प्रयास कर रहे है।

कार्यक्रम में मीनाक्षी सिंह, अंशिका, ज्योति, शिवानी, शीतल, अर्पित सिंह, मुस्कान, अलका, सुमित कुमार, अर्चित यादव, अभिषेक सिंह आदि का सराहनीय योगदान रहा। शिविर के कार्यक्रमों का संचालन साक्षी सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम अधिकारी प्रमोद कुमार यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

'लाट साहब' के जुलूस में नही आएगी कोई बाधा खोदाई पर रोक

लोक पहल

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में होली का अपना अलग ही महत्व है। यहां पर होली पर निकलने वाले लाट साहब के जुलूस की चर्चा देश विदेश में होती रही है। इस बार शहर में सीवर लाइन डालने का काम चल रहा है। जिसके चलते शहर की अधिकांश सड़के खुदी पड़ी हुई है। ऐसे में लाट साहब की सवारी निकलने में कोई बाधा न आये इसके लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि रंगों के त्योहार होली को देखते हुए सीवर लाइन डालने के लिए नई सड़क पर खोदाई का कार्य फिलहाल रोक दिया गया। पूर्व से चल रहे कार्य को भी 28 फरवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, जिससे लाट साहब की सवारी निकालने में कोई व्यवधान खड़ा न हो सके।

सीवर की खोदाई को लेकर की सड़कों की दुर्दशा कर दी गई है। पूर्व में खोदी गई सड़कों पर मरम्मत का कार्य पूर्ण नहीं कराया गया, साथ ही नई सड़कों को खोद दिया गया। त्योहारी सीजन को देखते हुए नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने जल निगम के अधिकारियों के साथ बैठक ली। उन्होंने होली के त्योहार तक नई सड़क पर खोदाई का काम रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूर्व में खोदी गई सड़क पर जल्द कार्य पूर्ण कर लिया जाए, साथ ही 28 फरवरी तक मरम्मत भी करा दें। जिससे लाट साहब की सवारी आसानी से निकाली जा सकें।

जीएफकालेज के एनएसएस शिविर में आग बुझाने की दी जानकारी

लोक पहल

शाहजहांपुर। जी एफ कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम छात्र इकाई के शिविर का आयोजन मऊ खालसा गांव के प्राइमरी स्कूल में किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोहम्मद शोएब के नेतृत्व में अग्निशमन अधिकारी बीएन पटेल ने स्वयंसेवकों और गांव के लोगों को अग्निशमन उपकरणों और आग बुझाने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अग्निशमन कर्मचारी अग्निशमन सेवाओं के अतिरिक्त आपदा में इमारतों के ढहने में पानी मे डूबने आदि घटनाओं के समय भी आम जन की रक्षा करते हैं। इस दौरान 'महिला साक्षरता' पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित किया। जिसमें शुभम कुमार प्रथम, सारांश वर्मा द्वितीय और सौरव राठौर तृतीय रहे। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दरख्शा बी के निर्देशन में द्वितीय छात्रा इकाई का शिविर दिलाजाक मुहल्ले के प्राइमरी पाठशाला स्कूल में आयोजित हुआ। इसमें जीएफ कॉलेज इलेक्टोरल लिट्रेसी क्लब के संयोजक डॉ. खलील अहमद ने स्वयं सेविकाओं को वोट बनवाने और मतदान के प्रति जागरूक किया। दूसरे सत्र में जी एफ कॉलेज के राजनीति विभाग के डा रईस अहमद ने बेटियों के लिए आर्थिक, सामाजिक राजनीतिक व सांस्कृतिक विकास के लिए सरकार द्वारा चलाए गए कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि लड़कियों को पढ़ाने से पूरा परिवार शिक्षित होता है। शिविर का संचालन

एसएस लॉ कालेज का दीक्षांत समारोह एक मार्च को

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान होंगे समारोह के मुख्य अतिथि

लोक पहल

शाहजहांपुर। स्वामी शुकदेवानंद लॉ कॉलेज का दीक्षांत समारोह एक मार्च को आयोजित किया जायेगा। समारोह के मुख्य अतिथि केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान होंगे। कानून की शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है और इस संबंध में इसे महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के शीर्ष संस्थानों में से एक माना जाता है साथ ही, संस्था का उद्देश्य छात्रों को अन्य सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ उच्च गुणवत्ता वाली विश्वस्तरीय कानूनी शिक्षा उपलब्ध कराना है। भारतीय संस्कृति में दीक्षांत का अर्थ है डिग्री के साथ–साथ संस्कार प्राप्त करना भी होता हैं। दीक्षांत संस्थान के अध्यापकों, कर्मचारियों व छात्रों के अनवरत मेहनत का अंतिम समारोह है। यह एक ऐसी यात्रा है जो शायद अस्थायी कदमों के साथ शुरू होती है और हमें न्याय की ऊँचाइयों तक ले जाती है।

दीक्षांत समारोह में रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 केपी सिंह, कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। दीक्षान्त उद्बोधन प्रो0 बलराज चौहान स्टेट लीडर सीआर आईएसपी (उ0प्र0), पूर्व कुलपति राममनोहर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय द्वारा दिया जाएगा। कार्यक्रम में भारतीय विधिज्ञ परिषद के सह अध्यक्ष श्रीनाथ त्रिपाठी, अमरेन्द्र नाथ सिंह, पूर्व अध्यक्ष (हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद एवं पूर्व–अध्यक्ष उ0प्र0 बार एसोसिएशन, इलाहाबाद) की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। समारोह में तीन वर्षीय एलएलबी, पाँच वर्षीय एलएलबी और एलएलएम के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी। साथ ही परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि के द्वारा स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। समारोह में सम्मिलित होकर उपाधि लेने हेतु विगत किसी भी सत्र के उत्तीर्ण विद्यार्थी आमन्त्रित हैं। इस हेतु 25 फरवरी तक पंजीकरण किया जायेगा।

अर्धनग्न होकर विद्युत संविदा कर्मियों ने किया प्रदर्शन

लोक पहल

शाहजहांपुर। विद्युत संविदा कर्मचारी पिछले लंबे समय से वेतन एवं बकाया ईपीएफ के भुगतान को लेकर हड़ताल पर हैं। इसी के चलते हड़ताली विद्युत संविदा कर्मियों ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। शाहजहांपुर के विद्युत संविदा कर्मचारी कई दिनों से हड़ताल पर हैं। लगातार हड़ताल पर चल रहे विद्युत संविदा कर्मचारियों की वजह से विद्युत व्यवस्था भी चरमरा रही है। कई बार अधिकारियों व प्रशासन से वार्ता होने के बाद भी हड़ताली विद्युत संविदा कर्मचारियों की मांगे पूरी नहीं हुईं। जिसको लेकर आज विद्युत संविदा मजदूर संगठन के बैनर तले हड़ताल कर रहे कर्मचारियों ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की है। प्रदर्शन कर रहे मध्यांचल महामंत्री ने कहा कि पिछले 1 माह से विद्युत संविदा कर्मचारी हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा कि हड़ताली विद्युत संविदा कर्मचारियों की समस्या के प्रति कोई भी अधिकारी संवेदनशील नहीं है और ना ही इन हड़ताल कर रहे कर्मचारियों की समस्या सुनने कोई आज तक पहुंचा है। इसलिए मजबूर होकर अर्धनग्न प्रदर्शन करना पड़ रहा है।

बेटी बचाओ, बेची पढ़ाओ के तहत मना कन्या जन्मोत्सव

सरकारी अस्पतालों में बीते 15 दिन में जन्मी 20 नवजात बच्चियों का सम्मान

लोक पहल

शाहजहाँपुर। बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बेटियों के जन्म लेने और कन्या भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध रोकने के लिए जलालाबाद और सिंधौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। सिंधौली सीएचसी पर डॉ. संध्या पाठक व प्रभारी महिला कल्याण अधिकारी अमृता दीक्षित तथा सीएचसी जलालाबाद पर डॉ. अमित यादव की उपस्थिति में सरकारी अस्पताल में पिछले 15 दिन के भीतर जन्मी 20 नवजात बच्चियों की माताओं द्वारा केक काटकर बेटी जन्मोत्सव मनाया गया। बच्चियों और महिलाओं को उपहार व मिठाई देकर सम्मानित किया गया।

सिंधौली सीएचसीमें प्रभारी महिला कल्याण अधिकारी अमृता दीक्षित ने महिलाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की पात्रता की अर्हताएं एवं आनलाइन प्रक्रिया के विषय में जानकारी दी। जलालाबाद सीएचसी पर महिला शक्ति केंद्र की जिला समन्वयक कीर्ती मिश्रा ने भी सभी टोल फ्री नंबर 181,1090, 112, 108, 102, 1098, 1076 की जानकारी दी। एमओआईसी डॉ. अमित यादव और डॉ. संध्या पाठक ने बताया कि सरकार कन्याओं के सम्मान और उनको आगे बढ़ाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। इसी अभियान के तहत सरकारी अस्पतालों में पैदा होने वाली कन्याओं का जन्मोत्सव मनाया जाता है। कन्या जन्मोत्सव के अवसर पर माता ममता ने बताया कि बेटी मेरा अभिमान है। वह बेटा–बेटी में न तो स्वयं कोई अंतर करेंगी और न ही परिवार के किसी सदस्य को करने देंगी।

आवश्यकता है
लोक पहल
साप्ताहिक समाचार पत्र को
जनपद शाहजहाँपुर के समस्त क्षेत्रों, तहसीलों, ब्लाक एवं ग्राम स्तर पर संवाददाता चाहिए।
पूर्ण बायोडाटा सहित आवेदन करें।
सम्पर्क करें : 9935740205, 9455152599 | Write to us : lokpahalspn@gmail.com

यूपी के शिक्षामित्रों को योगी सरकार का तोहफा, अब 60 साल तक पढ़ा सकेंगे

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षामित्रों को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने उनके रिटायरमेंट की अधिकतम आयु सीमा तय कर दी। अब शिक्षामित्र 60 साल की उम्र तक पढ़ा सकेंगे। हालांकि पहले की तरह ही उनका नवीनीकरण हर साल किया जाएगा। बहरहाल सरकार के इस फैसले से प्रदेश के लगभग डेढ़ लाख शिक्षामित्रों को फायदा होगा। इसे लेकर प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा दीपक कुमार ने आदेश जारी कर दिए हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग के शासनादेश के अनुसार शिक्षामित्रों की संविदा पर आधारित सेवाएं 60 साल की उम्र पूरी होने पर अपने आप समाप्त मानी जाएगी। मालूम हो कि वर्ष 1999 में प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों की कमी को देखते हुए संविदा पर शिक्षामित्रों की तैनाती की गई थी। विभाग की मानें तो सरकार के इस फैसले से करीब 1.46 लाख शिक्षामित्रों को फायदा होगा, जो वर्तमान में कार्यरत हैं। वर्तमान में शिक्षामित्रों को 10 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाता है और हर साल इनका नवीनीकरण होता है. हालांकि शिक्षामित्रों को साल में 11 महीने का ही मानदेय दिया जाता है।

सपा सरकार के समय 2014 में शिक्षामित्रों का समायोजन भी किया गया था। उस समय इन्हें विशेष ट्रेनिंग देकर सहायक अध्यापक बनाया गया था। हालांकि बाद में यह मामला कोर्ट में चला गया और 2017 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से इनका समायोजन निरस्त हो गया. तब से शिक्षामित्र फिर से मानदेय पर काम कर रहे हैं। शिक्षामित्रों की रिटायरमेंट की अधिकतम आयु सरकार ने तय कर दी, इसे लेकर शिक्षामित्रों में खुशी भी है। उनका मानना है कि उनके मन में एक सुरक्षा का भाव आया है, लेकिन शिक्षामित्रों का यह भी कहना है कि जो फैसला लिया गया वह पर्याप्त नहीं।

प्रशासन का अजीबोगरीब फरमान
हर प्रधान लेंगे आवारा पशुओं को 'गोद'

लोक पहल

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिला प्रशासन ने आवारा पशुओं की समस्या से निजात पाने के लिए एक अजीबोगरीब फरमान सुनाया है। किसानों की फसलों को नुकसान से बचाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के नाम पर हर प्रधान को छुट्टा घूम रहे दस–दस गोवंश को आश्रय देने को कहा गया है। जिले के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि यह कवायद शाहजहांपुर में शुरू की गई है। इससे आवारा गोवंशों में 6 हजार को ग्राम पंचायतों में संरक्षित किया गया है। शाहजहांपुर में आवारा घूम रहे पशुओं से किसानों की फसलें बर्बाद होने के साथ ही रोजाना दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। इसके चलते ग्रामीण मवेशियों को पकड़कर सरकारी स्कूल, ब्लॉक आदि कार्यालय में बंद कर रहे थे तथा कई गोवंशों ने लोगों पर हमले भी किए।

जिले के मुख्य विकास अधिकारी श्याम बहादुर सिंह का कहना है कि "छुट्टा गोवंशों की समस्या पूरे जिले में थी और हम जहां भी ग्रामीण क्षेत्रों में जाते थे तो ग्रामीणों की पहली शिकायत आवारा गोवंश को लेकर होती थी." उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी लगातार ग्रामीणों द्वारा शिकायत की जाती थी, जिसे हमने गंभीरता से लिया और आवारा गोवंशों को संरक्षित करने की योजना बनाई। इसके तहत प्रधानों का एक सप्ताह पूर्व सम्मेलन बुलाया गया और उन्हें 10–10 गायों को संरक्षित करने को कहा गया." उन्होंने बताया कि प्रधानों द्वारा उन्हें काफी सहयोग दिया गया और जिले में कुल 1069 ग्राम पंचायतों में से 400 ग्राम पंचायतों में आवारा घूम रहे 6 हजार गोवंश को पकड़कर संरक्षित किया जा चुका है। यह गौशाला ग्राम पंचायत द्वारा बनाई गई है जिसमें उन्हें हर गौवंश पर 30 रुपये और अधिकतम लागत आने पर अधिक धनराशि भी दी जाएगी।

प्रदेश के आध्यात्मिक शहरों से खुलेंगे रोजगार के मार्ग

■ काशी, प्रयागराज, सीतापुर सहित सात जनपदों में भारी निवेश के प्रस्ताव

लोक पहल

लखनऊ। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान उत्तर प्रदेश के धार्मिक शहरों में भी निवेश के लिए बड़ी मात्रा में प्रस्ताव सामने आये है। प्रदेश के धार्मिक शहरों ने निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। अयोध्या में राममंदिर के निर्माण और काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण समेत अन्य धार्मिक स्थलों के विकास से प्रदेश में बढ़ते धार्मिक पर्यटन ने भी वैश्विक निवेश सम्मेलन (इंवेस्टर्स समिट) में आए निवेशकों को अपनी ओर खींचा है।

नतीजा ये हुआ है कि अयोध्या, काशी, मथुरा, चित्रकूट, सीतापुर, मिर्जापुर व प्रयागराज जैसे 7 प्रमुख धार्मिक शहरों में 4 लाख 14 हजार करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। माना जा रहा है कि यदि ये निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतरे तो 4.35 लाख से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। दरअसल धार्मिक स्थलों के विकास से इन स्थानों पर जिस तरह से पर्यटकों की संख्या बढ़ी है, उसी अनुपात में इन शहरों में छोटे–छोटे रोजगार के अनेक रास्ते भी खुले हैं। इस प्रकार की संभावनाओं को देखते हुए ही काशी में 37224 करोड़ के 434 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

अनुमान है कि इससे 1.35 लाख लोगों को रोजगार से जोड़ा जा सकेगा। इसी प्रकार मिर्जापुर में 64010 करोड़, मथुरा में 23798 करोड़ निवेश के जरिए 50387, चित्रकूट में 63059 करोड़ निवेश के जरिए 78471 और प्रयागराज में 53152 करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव के माध्यम से 67033 लोगों के लिए रोजगार के रास्ते खुलने का अनुमान है।

अबकी बदली–बदली नजर आएगी सपा की प्रदेश इकाई

संघर्षशील नेताओं को मिलेगा मौका

लोक पहल

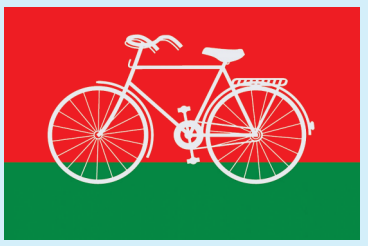

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संगठन में इस बार काफी बदलाव देखने को मिलने की संभावना है। कार्यकारिणी में सदस्यों की संख्या भी बढ़ेगी। पार्टी की नीतियों को लेकर निरंतर संघर्षशील रहने वाले नेताओं को अहम जिम्मेदारी दी जाएगी। तो फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारियों की जिम्मेदारी में बदलाव की भी तैयारी है। इसे लेकर पार्टी में कई दौर की कवायद हो चुकी है।

सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भले ही कोई खास बदलाव नहीं किया गया लेकिन प्रदेश कार्यकारिणी में बदलाव दिखेगा। इसमें राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव की भी छाप नजर आएगी। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले कुछ लोगों को भी प्रदेश कार्यकारिणी में जगह मिलनी है। संबंधित नाम पर विचार–विमर्श चल रहा है। पिछली प्रदेश कार्यकारिणी में प्रमुख महासचिव के अलावा दो महासचिव बनाए गए थे। इस बार पांच महासचिव पर विचार चल रहा है। इसी तरह सचिव पद भी बढ़ सकता है। पार्टी में बसपा से नाता तोड़कर आने वाले नेताओं को समायोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय और प्रदेश के फ्रंटल संगठनों में खासतौर से बदलाव दिखेगा। इस बार अलग–अलग संगठन में पश्चिम, पूरब, मध्य और बुंदेलखंड के नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। महिला सभा प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी वाराणसी की रीबू श्रीवास्तव को दी जा चुकी है। ऐसे में पूर्वांचल से बस्ती, देवरिया या गोरखपुर के नेता को किसी फ्रंटल संगठन की जिम्मेदारी देने पर विचार चल रहा है। युवजन सभा, छात्रसभा, यूथ ब्रिगेड, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्षों में कुछ की जिम्मेदारी बदलेगी। कुछ पर पार्टी दोबारा दांव लगाएगी।

सेहत से खिलबाड़, एंटीबायोटिक के नाम पर बेची जा रही खड़िया

■ शाहजहांपुर की फर्म की दवाएं लखीमपुर में पकड़ी गई

लोक पहल

लखीमपुर खीरी/शाहजहांपुर। एंटीबायोटिक दवाओं के नाम पर प्रदेश में बड़ा फर्जीबाड़ा चल रहा है। एंटीबायोटिक टैबलेट जेसेएफ एजेड जांच में खड़िया निकली। इसे शाहजहांपुर की दो फर्में फर्जी कंपनी बनाकर लखीमपुर खीरी के गोला के एक व्यापारी को सप्लाई कर रही थीं। मामले में उक्त फर्म और उसके चार पार्टनर और दो फर्मों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ओर से जून 2022 में फिक कनेक्ट ट्रेडर्स के स्टोर से जेसेफ एजेड और विन कोल्ड प्लस सिरप का नमूना लिया गया था। ड्रग इंस्पेक्टर सुनील रावत ने बताया कि दवा का नमूना फेल होने पर जेसेफ एजेड निर्माता कंपनी जिया हेल्थकेयर रेवाड़ी हरियाणा को नोटिस भेजा गया तो पता चला कि वहां ऐसी कोई कंपनी नहीं है। स्थानीय स्तर पर पड़ताल की गई, जिसमें इस फर्जीवाड़े में गोला की एक फर्म और शाहजहांपुर की फर्में सामने आई है। इसके बाद सीजेएम कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया गया। विनकोल्ड सिरप का नमूना अधोमानक पाए जाने पर भी निर्माता कंपनी टेक्सा लाइफ साइंस डेराबसी पंजाब के विरुद्ध मुकदमा दायर किया गया है।

जीवन रक्षक दवाओं में शुमार एंटीबायोटिक दवाओं में सबसे ज्यादा गड़बड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। एंटीबायोटिक टेबलेट जेसेफ एजेड और विन कोल्ड प्लस सीरप का नमूना लिया गया था। दोनों नमूनों की लैब से जांच रिपोर्ट आई, जिसमें एंटीबायोटिक जेसेफ एजेड टेबलेट पूरी तरह खड़िया पाई गई। इसमें निर्धारित कंटेंट की मात्रा का एक प्रतिशत भी नहीं मिला है। विनकोल्ड प्लस सिरप में पैरासिटामॉल नामक कंटेट की मात्रा निर्धारित मानक से कम पाई गई है। ड्रग इंस्पेक्टर ने सम्बन्धित फर्मा के खिलाफ नोटिस जारी किया है।

रेवाड़ी में जांच के दौरान पता चला कि जिया हेल्थकेयर नाम की कोई दवा फैक्ट्री संचालित नहीं है, जिसकी वहां के अधिकारियों ने भी पुष्टि की। ड्रग इंस्पेक्टर सुनील रावत ने बताया कि नकली कंपनी में बनी दवाओं के बारे में गहराई से पड़ताल की गई, तो पता चला कि शाहजहांपुर की दो फर्मों द्वारा लखीमपुर में नकली जेसेफ एजेड की आपूर्ति की जा रही थी। गोला स्थित एक फर्म के पार्टनर समेत चार लोगों और शाहजहांपुर की दो फर्मों के खिलाफ सीजेएम कोर्ट में मुकदमा दायर किया गया है।

तीन आईएएस और 22 डिप्टी कलेक्टर का तबादला

लोक पहल

लखनऊ। शासन ने तीन आईएएस, 14 वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों के अलावा 22 डिप्टी कलेक्टर के तबादले कर दिए हैं। गोंडा के मुख्य विकास अधिकारी पद से हटाकर प्रतीक्षारत किए गए आईएएस अधिकारी गौरव कुमार को लखनऊ विकास प्राधिकरण में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) बनाया गया है। प्रतीक्षारत अनुज मलिक को अपर आयुक्त व संभागीय खाद्य नियंत्रक गोरखपुर के पद पर तैनाती दी गई है। विशेष सचिव एवं अपर राज्य संपत्ति अधिकारी सतीश पाल को नोएडा का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) बनाया गया है।

वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों में एडीएम नमामि गंगे संजय पांडेय को एडीएम प्रशासन शाहजहांपुर, एसडीएम रायबरेली अशोक सिंह को एडीएम नमामि गंगे झांसी, सिटी मजिस्ट्रेट उन्नाव विजेता को एडीएम भूमि अध्याप्ति कानपुर नगर, एसडीएम विनय गुप्ता को सिटी मजिस्ट्रेट उन्नाव के पद पर तैनाती दी गई है।

शिव-पार्वती की आराधना का पर्व है

महाशिवरात्रि

भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की आराधना का महाशिवरात्रि का पर्व 18 फरवरी को मनाई जाएगी। मान्यता है कि इस तिथि पर ही भगवान शंकर मां पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। कहा जाता है कि महाशिवरात्रि पर जो भक्त सच्चे मन से भगवान शंकर के साथ महागौरी, भगवान गणेश, कार्तिकेयजी और नंदी की पूजा करते है उन्हें शिवपरिवार में शामिल के पांचों देव सुख समृद्धि वैभव, यश, लंबी उम्र देते है। इसलिए हम आपको इस महाशिवरात्रि पर इन पांचों की पूजा और रुद्राभिषेक के बारे में विशेष रुप से बताने जा रहे है ताकि आपको ये सारे सुख प्राप्त हो।

सबसे पहले भगवान गणेश जी की करें पूजा

हिंदू धर्म में किसी भी शुभ कार्य के पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। गणेश जी अनादि देवता मानें गए हैं। गणेश जी भले ही भगवान शिव और मां पार्वती के पुत्र थे। लेकिन वो वह अनादि गणपति के अवतार माने गए हैं। इसलिए भगवान गणपति की पूजा शंकर और पार्वती जी के विवाह में हुई थी, जिसका उल्लेख गोस्वामी तुलसीदास जी के इस दोहे में मिलता है। इसलिए इस महाशिवरात्रि में गणेशजी की पूजा के साथ महाशिवरात्रिपर भगवान गणेश जी का आशिर्वाद ले।

भगवान कार्तिकेय दुश्मनों पर दिलाएंगे जीत

इस महाशिवरात्रि पर भोलेनाथ के साथ भगवान कार्तिकेय की पूजा करें। भगवान कार्तिकेय की पूजा से सेहत और लंबी उम्र की प्राप्ति होती है। भगवान कार्तिकेय देवताओं के सेनापति हैं, इसलिए दुश्मनों पर जीत के लिए भी इनकी पूजा की जाती है।

शिव-गौरी देंगे खुशियों का वरदान

इस महाशिवरात्रि पर शिव के साथ गौरी का विशेष संयोग बन रहा है। ऐसा शुभ संयोग कई साल बाद बना है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करना चाहिए और व्रत भी रखना चाहिए। इस दिन विधिपूर्वक रुद्राभिषेक करने से कई ग्रह दोषों से मुक्ति मिलती है और जीवन में अपार सुख-समृद्धि आती है। वैवाहिक जीवन सुखमय होता है। अब गणेश जी, माता गौरी, भगवान कार्तिकेय और नंदी की पूजा करें। फिर शिव चालीसा और शिवरात्रि व्रत कथा का पाठ करें। किसी मंत्र विशेष का जाप करना चाहते हैं, तो रुद्राक्ष की माला से शुद्ध उच्चारण के साथ कम से कम 108 बार करें। पूजा के अंत में शिव जी की आरती करें। इसके लिए घी के दीपक या फिर कपूर का उपयोग करें। आरती के समय शंख और घंटी बजाते रहें। आरती के दीपक को पूरे घर में ले जाएं। ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है।

महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक का समय

महाशिवरात्रि के अवसर पर तंत्र, मंत्र साधना, तांत्रिक पूजा, रुद्राभिषेक करने के लिए रात्रि 12 बजकर 24 मिनट से 1 बजकर 40 मिनट तक का समय श्रेष्ठ रहेगा। वहीं भक्तों के लिए सुबह 5 बजकर 55 मिनट से पूरे दिन भगवान भोलनाथ का रुद्राभिषेक और जल चढ़ाने का सिलसिला जारी रहेगा। सामान्य गृहस्थ को शुभ और मनोकामना पूर्ति के लिए सुबह और संध्या काल में शिव की आराधना करनी चाहिए।

देवों के देव महादेव करेंगे मालामाल, कामनाएं होगी पूर्ण

- जल से रुद्राभिषेक करने पर वृष्टि होती है।
- कुशा जल से अभिषेक करने पर रोग व दुरुख से छुटकारा मिलता है।
- दही से अभिषेक करने पर पशु, भवन तथा वाहन की प्राप्ति होती है।
- गन्ने के रस से अभिषेक करने पर लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।
- मधुयुक्त जल से अभिषेक करने पर धनवृद्धि होती है।
- तीर्थ जल से अभिषेक करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- इत्र मिले जल से अभिषेक करने से रोग नष्ट होते हैं।
- दूध से अभिषेक करने से पुत्र प्राप्ति होगी। प्रमेह रोग की शांति तथा मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- गंगा जल से अभिषेक करने से ज्वर ठीक हो जाता है।
- दूध-शर्करा मिश्रित अभिषेक करने से सद्बुद्धि की प्राप्ति होती है।
- घी से अभिषेक करने से वंश विस्तार होता है।
- सरसों के तेल से अभिषेक करने से रोग तथा शत्रुओं का नाश होता है।
- शुद्ध शहद से रुद्राभिषेक करने से पाप क्षय होते हैं।

देखो हँस मत देना

अब वो दिन दूर नहीं जब पति-पत्नी के बीच डिजिटल लड़ाई कुछ इस तरह होगी बीवी- ना जाने कौन-सी घड़ी में मैंने तुारी Friend request accept की थी। पति- पत्थर पड़ गये थे मेरी अल पे जो तुारी DP को Nice Pic कहा था। बीवी: मेरी अल पे भी परदा पड़ा था जो तुारी Pic पे Handsome Look का comment किया था। पति- अच्छा होता तुें उसी व unfriend कर देता... बीवी: मैंने भी उसी वक्त तुें Block किया होता तो आज ये दिन ना देखना पड़ता।

टीचर: इतने दिन कहां थे, स्कूल यों नहीं आए? गोलू: बर्ड लू हो गया था मैम। टीचर: पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू: इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो...

Offline रहता हूं तो सिर्फ दाल, रोटी, नौकरी एवं परिवार की ही चिंता रहती है, Online होते ही धर्म, समाज, राजनीति, देश, विश्व और पूरे ब्रह्माण्ड की चिंताए, होने लगती है आम भारतीय नागरिक।

ये वो दौर है जनाब जहां इंसान गिर जाये तो हँसी निकल जाती है और मोबाईल गिर जाये तो, जान निकल जाती है।

कहानी

लालची व्यक्ति

घी के दो व्यापारियों की दुकानें एक-दूसरे के बराबर में थीं। एक दिन उनमें से एक ने दूसरे से 500 स्वर्ण मोहरें उधार लेने की सोची और अपना कर्ज बिना किसी परेशानी के चुकाने को कहा। लेकिन जब कर्ज वापिस करने का समय आया तो उसने ऐसा करने से मना कर दिया। उसने यह भी स्वीकार करने से मना कर दिया कि उसने उससे रुपये उधार लिए हैं। वह व्यापारी जिसने धन उधार दिया था वह न्याय के लिए बादशाह के पास गया। बीरबल को हमेशा की तरह न्याय करने को कहा। बीरबल ने दोनों को बुलवाया और दोनों की कहानी सुनी। बीरबल ने दोनों से दस दिन का समय मांगा और दोनों व्यापारियों को घर भेज दिया। समस्या पर गहन विचार के बाद बीरबल ने तेल के 10 टिन मंगवाए। हर टिन में 10 किलो तेल था और उनमें से दो में बीरबल ने सोने के सिक्के डाल दिए। तब उसने 10 टिन अलग-अलग 10 व्यापारियों को दिए और उनकी कीमत पता करने को कहा। उन्हें वे टिन घर ले जाने और तीन दिन बाद वापिस आने को कहा। बीरबल ने सोने के सिक्के वाले दोनों बर्तन घी व्यापारियों को दे दिये। वह व्यापारी जिसने धन उधार दिया था वह ईमानदार था और उसने सोने का सिक्का लौटा दिया। लेकिन उसके बेईमान पड़ोसी को सिक्का मिला तो उसने उसे अपने बेटे को दे दिया। निश्चित दिन पर सभी 10 व्यापारी तेल लेकर बीरबल के पास आये और उन्हें मूल्य के बारे में बताया। बीरबल ने उस व्यापारी के टिन को ध्यान से देखा जो अपना कर्ज नहीं चुकाना चाहता था और यह भी देखा कि सिक्का गायब होने के साथ उसमें से कुछ तेल भी कम था। जब बीरबल ने इस बारे में पूछा, तो व्यापारी ने जवाब दिया कि जब मैंने इसे परखने के लिए गरम किया होगा यह तब कम हो गया होगा। बीरबल बोले, अच्छा यह बात है, चलो मैं देखता हूं। मैं अभी वापिस आता हूं। ऐसा कहकर, वह अन्दर गया और अपने एक नौकर को उस व्यापारी के घर जाकर उसके पुत्र से सिक्का लाने को कहा। बहुत जल्द वह लड़का सोने के सिक्के के साथ दरबार में आ गया और तुरन्त उससे बीरबल ने पूछा, या तुम वे पांचों सिक्के लेकर आये हो जो तुारे पिता को तेल में मिले थे? तभी उर आया, मालिक, तेल में केवल एक सिक्का था, पांच नहीं। बीरबल ने तब व्यापारी से कहा, जब तुम एक सिक्के के लिए बेइमानी कर सकते हो जो मैंने तेल के डिब्बे में डाला था व इसके साथ तुमने उसमें से कुछ तेल भी निकाल लिया और गरम करने के कारण तेल कम होने का बहाना बना दिया तब तुम 500 सोने के सिक्कों के लिए सच यों बोलोगे जो तुमने पड़ोसी से उधार लिए थे। अब तुारे पास कहने को या है? अब व्यापारी को बचाव का कोई तरीका नजर नहीं आया तो उसने सभी तेल व्यापारियों के सामने अपनी गलती मान ली। **इस कहानी से मिलने वाली शिक्षा:** सच कभी भी परदे के पीछे नहीं रह सकता। बेइमानी देर सवेर सामने आ ही जाती है। इज्जत एक बार जाने के बाद दोबारा पाना मुश्किल हो जाता है।

7 अंतर खोजें

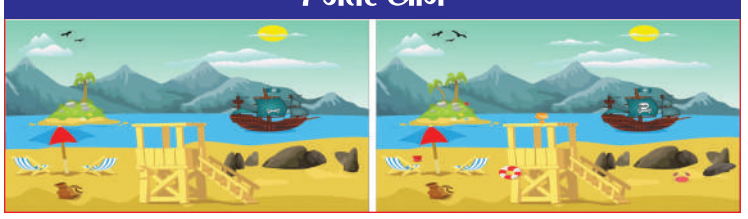

जानिए कैसा रहेगा यह सप्ताह

मेष

आज का दिन बेहतरीन रहेगा परिवारिक सामंजस्य बना रहेगा। आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आप अपने बचपन के दोस्त के साथ किसी लंबे टूर पर जा सकते हैं।

वृषभ

सामाजिक समारोह में शामिल होने में आपको मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है, योंकि परिस्थिति आपके वश से बाहर होने की संभावना है।

मिथुन

आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी और आपकी इनकम में थोड़ी कमी हो सकती है लेकिन कोर्ट कचहरी के मामलों में आपको सफलता मिलेगी।

कर्क

आज का दिन बेहतरीन रहेगा। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे।

सिंह

आज आपका तनाव दूर होगा। आपके काम में आ रही रूकावटें दूर होंगी। विपरीत लिंगीय व्यक्ति के प्रति आकर्षण आपके लिए संकट खड़ा कर सकता है।

कन्या

आपके लिए आज का दिन काफी बढ़िया रहेगा। भाग्य की प्रबलता के कारण आपको कई प्रकार से धन लाभ होगा। परिवार के बुजुर्गों की सलाह काम आएगी।

तुला

आज का दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। परिवार वालों के साथ शॉपिंग पर भी जा सकते है। आपके मन में नए-नए विचार आएंगे, कारोबार में काफी फायदा होगा।

वृश्चिक

आज के दिन आपकी योजनाओं में आखिरी पल में बदलाव हो सकते हैं। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

धनु

आपके लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। कार्यों में आंशिक तौर पर सफलता मिलेगी। आप काफी उत्साहित होंगे और अधिक परिश्रम करेंगे।

मकर

आज का दिन बेहतरीन रहेगा। लॉ के स्टूडेंट्स के लिए दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। कॉलेज से मिले प्रोजेट को आज सीनियर्स की मदद से पूरा करेंगे।

कुं

आज किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। एक ही दिशा में की गई मेहनत से बेहतर परिणाम मिल सकेंगे।

मीन

आपके लिए आज का दिन किसी यात्रा की ओर इशारा कर रहा है। यह यात्रा आपके व्यापार को बढ़ाने वाली साबित होगी। आपको धन लाभ भी मिलेगा। आज का दिन अच्छा बीतेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

शाहरुख खान को सरेआम मिली धमकी

शाहरुख खान के लिए लोगों की दीवानगी किसी को बताने की जरूर नहीं है। फिलहाल वह अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म पठान के लिए खूब प्यार बटोर रहे हैं। ऐसे में किंग खान अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए इन दिनों खूब सोशल मीडिया पर ऑनलाइन रहने लगते हैं। इस दौरान आस्क एसआरके सेशन में वह फैंस के कई सवालों के जवाब भी देते हुए नजर आते हैं। इसी दौरान अब एटर को एक फैन ने ही सरेआम धमकी दे डाली है। आस्क एसआरके सेशन में एक फैन ने लिखा, सर, अगर इस बार रिप्लाई नहीं मिला ना तो आपको फैन पार्ट 2 बनाने की जरूरत पड़ जाएगी। अपने चाहने वाले इस ट्वीट को रीट्वीट करते हुए शाहरुख ने लिखा, मैं वैसे भी फैन 2 नहीं बनाऊंगा। कर ले जो करना है। इसके साथ किंग खान ने हा हा लिखकर यह भी बता दिया कि वह मजाक कर रहे हैं। अब शाहरुख का ये ट्वीट तेजी से वायरल होने लगा है। गौरतलब है फैन शाहरुख खान की 2018 में रिलीज हुई फिल्म थी। इस फिल्म शाहरुख डबल रोल में दिखे थे। एक रोल उन्होंने सुपरस्टार आर्यन खन्ना का निभाया था और दूसरे में वह आर्यन के फैन गौरव चंदना की भूमिका में नजर आए। गौरव को आर्यन का क्रेजी फैन दिखाया गया था, जो किसी कारण अपने ही सबसे पसंदीदा एटर से इतना नाराज हो जाता है कि उसका दुश्मन बन जाता है। बता दें कि शाहरुख खान दुनियाभर में अपनी फिल्मों को लेकर को लेकर तो खूब चर्चा में रहते ही हैं, साथ वह अपने जबरदस्त जवाबों के लिए भी जाने जाते हैं। शाहरुख के जवाब किसी की भी बोलती बंद कर देते हैं। खासतौर पर आस्क एसआरके सेशन में उनके ऐसे-ऐसे जवाब देखने को मिलते हैं कि कोई भी सोच में पड़ जाता है कि अब इस पर या रिप्लाई दिया जाए।

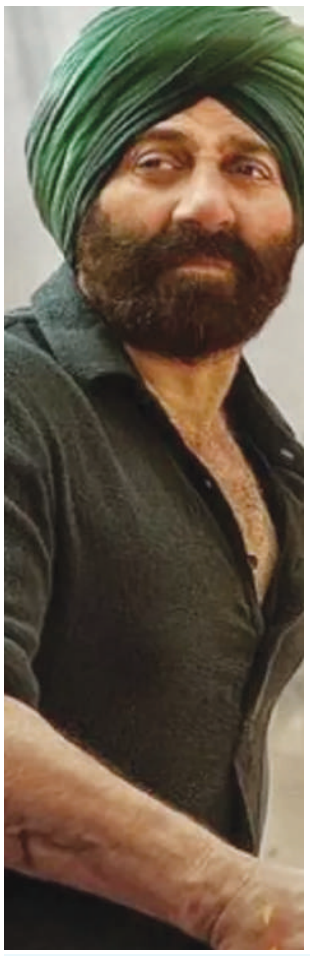

सनी देओल की गदर 2 का मोशन पोस्टर हुआ रिलीज

प्यार में डूबे दिखे तारा सिंह और सकीना

सनी देओल ने 22 साल पहले गदर के तारा सिंह के रूप में बॉस ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अब एक बार फिर से सनी और अमीषा पटेल तारा-सकीना बनकर दिलों पर छा जाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। जल्द ही गदर 2 दर्शकों के बीच हाजिर होगी। इससे पहले फिल्म के लिए उत्सुकता बढ़ाते हुए फिल्म का मोशन पोस्टर जारी कर दिया गया है, जिसमें तारा और सकीना एक-दूजे में डूबे नजर आ रहे हैं।

गदर 2 के मोशन पोस्टर में अमीषा ऑरेंज कलर के सूट में और तारा सिंह उर्फ सनी देओल रेड कलर का कुर्ता और सिर पर पगड़ी बांधे हुए एक दूसरे को प्यार से निहारते दिख रहे हैं। बैकग्राउंड में पिछली फिल्म का सुपरहिट गाना उड़ जा काले कांवा सुनाई दे रहा है। अब दर्शकों इनकी कैमस्ट्री के फिर से दीवाने हो गए हैं। इस पोस्टर को जी स्टूडियो ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए फिल्म की रिलीज डेट भी बताई है।

बता दें कि गदर 2 में एक बार फिर से तारा सिंह का वही परिवार देखने को मिलेगा। फिल्म में उनके बेटे का किरदार पिछली बार की तरह इस बार भी उत्कर्ष शर्मा ही निभा रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, गदर 2 में तारा सिंह के बेटे जीते को देश की सेवा करते हुए फौजी के रोल में देखा जाएगा, जो एक जंग के दौरान पाकिस्तान में फंस जाएगी। इसी कारण फिर से तारा सिंह पाकिस्तान में गदर मचाते दिखेंगे।

गौरतलब है कि अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी गदर 2 के लिए दर्शकों में एक अलग ही बेसब्री बनी हुई हैं। कुछ समय पहले ही फिल्म का पोस्टर जारी किया था, जिसमें सनी देओल हाथ में एक बड़ा सा हथौड़ा थामे काफी गुस्से में नजर आ रहे थे। बता दें कि गदर 2 इसी साल यानी 11 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

भारत के नक्शे पर चलकर बुरे फंसे अक्षय

अक्षय कुमार के खिलाफ गृह मंत्रालय में शिकायत

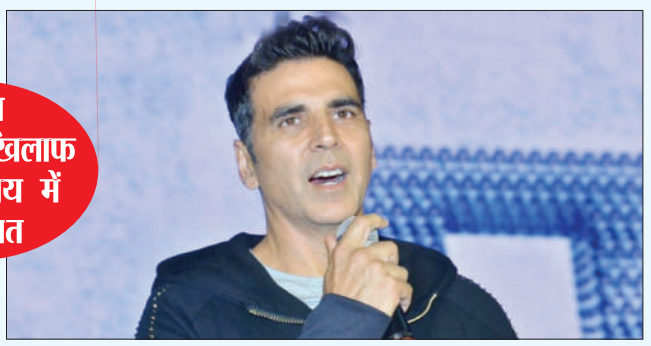

अक्षय कुमार इस समय अपनी अगली फिल्म सेल्फी का खूब जोरों-शोरों से प्रमोशन कर रहे हैं। फिल्म को लेकर काफी उत्सुकता बनी हुई है। इस फिल्म में अक्षय के साथ पहली बार इमरान हाशमी भी पर्दे पर नजर आने वाले हैं हालांकि, इसी बीच मेकर्स से कुछ ऐसी गलती हो गई कि अक्षय मुसीबतों में फंसे नजर आ रहे हैं। अब एटर के खिलाफ गृह मंत्रालय में शिकायत भी कर दी गई है।

दरअसल, अक्षय पर भारत के नशे का अपमान करने का आरोप लगाया गया है कुछ दिन पहले ही एटर का एक वीडियो सामने आया था, जिसे उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर भी पोस्ट किया है। इस वीडियो में अक्षय ग्लोब पर चलते हुए दिख रहे हैं। इसमें वह किसी इंटरनेशनल एयरलाइन्स का प्रमोशन करते हुए दिख रहे हैं, लेकिन ग्लोब पर एटर का पैर जिस जगह पर पड़ा, वहां भारत का नशा था। अब भारत के नशे पर पैर रखने के कारण ही अक्षय पर लोग भड़क पड़े हैं। लोगों का गुस्सा इतना बढ़ गया है कि उनके खिलाफ शिकायत तक कर दी गई है। वकील वीरेंद्र पंजाबी ने लोगों की भावनाएं आहत करने करने के लिए जिले के एसपी और गृह मंत्रालय में भी शिकायत की है।

बता दें कि इस वीडियो में अक्षय कुमार के साथ दिशा पाटनी, नोरा फतेही, मौनी रॉय और मशहूर पंजाबी एटर सोनम बाजवा भी नजर आ रही हैं।

अजब-गजब | पहले यहां सिर्फ रहा करते थे आपराधिक प्रवृत्ति के लोग

इस आइलैंड पर राज करती हैं महिलाएं

हमारा समाज अनंत काल से पुरुष प्रधान रहा है. इसीलिए शुरुआत से महिलाओं को घर की जिदारी संभालने लायक ही समझा जाता है। वहीं पूरे परिवार की जिदारी पुरुष के कंधों पर होती है। यही कारण भी है कि समाज में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की आबादी भी काफी कम है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां महिलाओं का राज चलता है। यही नहीं यहां पुरुषों को किसी महिला की तरह ही समझा जाता है। दुनिया का ये एक मात्र ऐसा स्थान है जहां पूरी तरह से महिलाएं ही रूल करती हैं। ये जानकार आपको हैरानी जरूरी होगी लेकिन बात बिल्कुल सच है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं यूरोपीय देश एस्टोनिया की। जहां एक अनोखा आइलैंड है जहां 90 फीसदी से ज्यादा आबादी महिलाओं की है।

सिर्फ यही नहीं, इस आइलैंड में अधिकतर महिलाएं रहती हैं जो पूरे द्वीप की जिदारी संभाल रही हैं। एस्टोनिया के किह्नु आइलैंड का नाम यूनेस्को के इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज ऑफ यूमैनिटी की लिस्ट में शामिल है। ये जगह महिलाओं के आइलैंड के नाम से फेमस है। तो चलिए आज जानते हैं इस आइलैंड के बारे कुछ खास बातें। एस्टोनिया के किह्नु आइलैंड की आबादी सिर्फ 300 लोगों की ही है। इसमें से भी ज्यादातर महिलाएं हैं। जानकारी के मुताबिक किह्नु आइलैंड पर रहने वाले पुरुष एस्टोनिया में नौकरी करने चले जाते हैं।

इसलिए आइलैंड पर सिर्फ महिलाएं ही रह जाती हैं और इस पूरे आइलैंड की जिदारी इन महिलाओं के कंधे पर है। महिलाएं त्योहारों को धूम-धाम से मनाती हैं, नाचती हैं, गाती हैं और शिल्पकारी कर के पैसे कमाती हैं। इतना ही नहीं ये महिलाएं ही लोगों की शादी से लेकर अंतिम संस्कार तक करवाती हैं। कहा जाता है कि पहले इस आइलैंड पर क्रिमिनल और देश निकाला की सजा भुगत रहे लोग ही रहा करते थे। बाद में करीब 50 सालों तक आइलैंड पर सोवियत संघ ने काबर रखा था। इसके बाद से यहां महिलाओं का वर्चस्व हो गया। तब से इस आइलैंड को ज्यादातर महिलाएं ही चला रही हैं। लेकिन बदलते दौर के साथ अब यहां लड़के-लड़कियां आइलैंड से बाहर जाकर पढ़ाई या नौकरी करना चाहते हैं, जिसकी वजह से धीरे-धीरे यहां की मातृसा वाली परंपरा अब खत्म होती जा रही है।

यहां मौजूद है सास-बहू का मंदिर, नाम ही नहीं इसकी कहानी भी है थोड़ी सी अलग

राजस्थान के उदयपुर शहर से करीब 22 किलोमीटर दूर एक अत्यंत कलात्मक और ऐतिहासिक मंदिर है, जिसे सास बहू मंदिर के नाम से जाना जाता है। हालांकि इस मंदिर का असली नाम सहस्रबाहु मंदिर है। लेकिन लोग इसे सास बहू मंदिर के नाम से ही जानते हैं। इस मंदिर का निर्माण ग्यारहवीं सदी की शुरआत में किया गया था। ये मंदिर विकसित शैली और बेहतरीन अलंकरण के लिए जाना जाता है। मंदिर का परिसर 32 मीटर लंबा और 22 मीटर चौड़ा है। इस मंदिर का निर्माण कछवाहा वंश के शासक महिपाल ने करवाया था। महिपाल भगवान विष्णु का भक्त था। कहा जाता है कि उसने ये मंदिर अपनी पत्नी और बहू के लिए बनवाया। इसलिए इस मंदिर का नाम सास बहू का मंदिर रखा गया। इस मंदिर का निर्माण ऊंचे जगत पर किया गया। इसमें प्रवेश के लिए पूर्व में मकरतोरण द्वार है। वहीं मंदिर पंचायतन शैली में बनाया गया है। मु मंदिर के चारों तरफ देवताओं का कुल बसता है। हर मंदिर में पंचरथ गर्भगृह, खूबसूरत रंग मंडप बनाए गए हैं। सास बहू यानी सहस्रबाहु मंदिर मूल रूप से भगवान विष्णु को समर्पित है। इसके अलावा मंदिर परिसर में दूसरा प्रमुख मंदिर भगवान शिव का है। इन मंदिरों में ब्रह्मा, विष्णु, शिव, राम, कृष्ण, बलराम सभी विराजते हैं। मंदिर के प्रवेश द्वार पर मां सरस्वती की मूर्ति लगाई गई है। मंदिर की दीवारों पर अंदर और बाहर खजुराहो के मंदिरों की तरह असं मूर्तियां बनाई गई है। इन मूर्तियों में कई कामशास्त्र से भी जुड़ी हुई हैं। इस मंदिर की कला को देखकर यहां आने वाले पर्यटक घंटों देखते रहते हैं। बता दें कि सास बहू मंदिर ने कई हमले भी हुए। जिसके चलते मंदिर का काफी हिस्सा टूट गया। इस मंदिर में सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक दर्शन किए जा सकते हैं। इस मंदिर में अब पूजा नहीं होती। सैकड़ों की सां में हर दिन विदेशी सैलानी भी इस मंदिर की वास्तुकला को निहारने के लिए पहुंचते हैं।

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक–सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।